अर्हम्

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल

समय सीमा : 3 घंटा तेरापंथ दर्शन (वर्ष : 2012) दिनांक 24.12.2012

चतुर्थ वर्ष : द्वितीय प्रश्न पत्र पूर्णांक – 100

भिक्षु दृष्टांत – 40

प्र.1 किन्हीं आठ प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए। 8

(क) कंटालिया में भीखणजी स्वामी का कौन सा मित्र खेती करता था?

(ख) भीखणजी स्वामी के अनुसार अनशन कब करना चाहिए?

(ग) 'आत्म–प्रदेशों में प्रकंपन के बिना निर्जरा नहीं होती'' यह बात हेमजी स्वामी को किसने कही?

(घ) ''स्वामीजी! 'धम्मो मंगल' कहो'' प्रत्युत्तर में स्वामीजी ने क्या कहा?

(ङ) ''सामायिक नहीं तो संवर कर'' स्वामीजी ने संवर किसे करवाया?

(च) जब आप घर में थे तब आपने थाली के दो टुकड़े किए यह सच है या झूठ? स्वामीजी से यह प्रश्न किसने पूछा?

(छ) भीखणजी से चर्चा करते आप क्यों सकुचाते हैं? यह प्रश्न किसने किससे पूछा?

(ज) ''नाथो गण से अलग हो गया।'' तब स्वामीजी ने प्रत्युत्तर में क्या कहा?

(झ) रीया गांव के हरजीमलजी सेठ से स्वामीजी ने कपड़ा क्यों नहीं लिया?

प्र.2 किन्हीं तीन घटना–प्रसंगों को 100 से 150 शब्दों में लिखें। 18

(क) साधु–असाधु। (ख) श्रावक और कसाई।

(ग) सम्पत्ति मिलने से कौन सा ज्ञान आ जाता है? (घ) एक मात्र भीखणजी स्वामी ही हैं।

(ड.) स्वच्छंदचारी होना श्रेय नहीं। (च) तो संयम और असंयम दोनों सूखेंगे।

(छ) यह दिवाला कैसे पूरा होगा?

प्र.3 किसी एक प्रश्न का उत्तर दृष्टांतों के आधार पर विस्तार से दीजिए। 14

(क) सिद्ध कीजिए कि आचार्य भिक्षु कसौटी का पहला प्रयोग संत भारीमलजी या हेमराजजी पर करते थे।

(ख) सिद्ध करें कि आचार्य भिक्षु बुराई में भी अपना हित समझते थे।

(ग) सिद्ध करें कि आचार्य भिक्षु सत्य के प्रति पूर्ण समर्पित थे।

महासती सरदारां – 15

प्र.4 किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर दो या तीन वाक्य में दीजिए। 5

(क) अन्तिम समय में जयाचार्य ने सरदार सती को कौन से जीवन प्रसंगों को सुनाकर वैराग्य को बढ़ाया?

(ख) सरदार सती साधु–साध्वियों के दैनंदिन उपयोग में आने वाले कौन–कौन से उपकरणों के वितरण का दायित्व संभालती?

(ग) बेले की तपस्या के पारणे हेतु सरदारांजी को भिक्षा के लिए जाते देख बच्चों ने क्या कहा?

(घ) दीक्षा की स्वीकृति प्राप्त कर सरदारांजी ने कौन–कौन से क्षेत्रों में जाकर साधु–साधियों के दर्शन किये?

प्र.5 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर 100 से 150 शब्दों में दीजिए। 10

(क) ''सरदार सती का जीवन दीपशिखा के समान था'' व्याख्या करें।

(ख) सरदार सती की तपस्या पर टिप्पणी लिखें।

(ग) सिद्ध करें कि महासती सरदारां ने व्यक्ति निर्माण को अपना एक मुख्य कार्यक्रम माना।

अनुकम्पा की चौपाई – 30

प्र.6 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए। 5

(क) राजा श्रेणिक ने नगरी में ढिंढोरा किन–किन कारणों से पिटवाया?

(ख) आहार, पानी यदि गोचरी लाने वाला साधु अधिक ले तो उसे किसका पाप लगता है?

(ग) छद्मस्थ अवस्था में भगवान के प्रति समय कितने कर्म लगते हैं?

(घ) नाग–नागिनी पर पार्श्वकुमार ने कौन सा आध्यात्मिक उपकार किया और उसके फलस्वरूप क्या हुआ?

(ड) तिर्यक् लोक के कितने मालिक हैं? नाम बतायें।

(च) मोक्ष के मार्ग का उल्लेख कौन से आगम के कौन से अध्ययन में है।

(छ) जो हिंसा में धर्म की प्ररूपणा करते हैं उनके एक साथ कितने महाव्रत टूटते हैं?

प्र.7 मोक्ष संबंधी उपकार एवम् संसार संबंधी उपकार में क्या अंतर है? दृष्टांतों द्वारा स्पष्ट करें।

'अथवा'

ढाल 8 का सारांश लिखें। 10

प्र.8 किन्हीं दो पद्यों की सप्रसंग व्याख्या करें। 15

(क) अवेरा नें दीयां पुन नींपजे, देवता रे हुवे पुन रा थाट जी।
वले धर्म हुवे जीव बचावीयां, तो देव मोख जाए कर्म काट जी।।

(ख) असंजती रो मरणो जीवणो, वंछा कीधां हो निश्चे राग नें धेख।
ओ धर्म नहीं जिण भाखियो सांसो हुवे तो हो अंग उपंग देख।।

(ग) केइ जीव खवायं में पुन परूपे, केइ मिश्र कहे छे मूढ़ो जी।
ए दोनूंइ हिंसा धर्मी अनार्य, ते बूडे छे कर कर रूढ़ो जी।।

(घ) ऐ सातोंइ बोल न सेवे केवली रे छद्मस्थ पिण निरंतर सेवे नांहि रे।
सेवे तो मोह कर्म उदें हुआं रे, संका हुवे तो जोवो सूतर रे मांहि रे।।

भिक्षुवाणी – 15

प्र.9 कोई दो पद्यों की पूर्ति करें। 6

(क) आभे काटे.....परिया बधार।। 'अथवा' मित्री सूं.....नहीं आवें।।

(ख) सोर ठंडो.....पड़े जातो।। 'अथवा' ज्यां लग.....होय जाय।।

प्र10 किन्हीं तीन विषयों पर पद्य लिखें। 9

(क) पुरूषार्थ (ख) असाधु (ग) आत्मशुद्धि की प्रक्रिया (घ) दुष्कर साधना

(ङ) संकीर्णता